



मां दुर्गा का
दूसरा स्वरूप
जय माँ
कूष्मांडा !

इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

04

सोने-चांदी
की चमक
फिर बढ़ने की
उम्मीद



youtube.com/mradubhashi

x.com/mradubhashi

facebook.com/mradubhashi

इंदौर, बुधवार, 14 अक्टूबर 2026

नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 27, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

इंदौर में सनसनी: चाबी लगी मिनीबस लेकर भागा विक्षिप्त युवक, सड़क पर मचाया तांडव

27% कोटे की लड़ाई SC ले जाएगी प्रदेश सरकार

मृदुभाषी। भोपाल



मृदुभाषी। इंदौर

विजय नगर क्षेत्र में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक सिरफिरा युवक खड़ी हुई मिनीबस को चुराकर ले भागा। एमआर-10 रोड पर घटी इस सनसनीखेज घटना के दौरान आरोपी ने बेकाबू रफ्तार में वाहन दौड़ाते हुए सड़क पर कई गाड़ियों को टक्कर मार दी,

जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) ओम प्रकाश के अनुसार, मिनीबस का चालक वाहन में ही चाबी लगी छोड़कर कुछ देर के लिए नीचे उतरा था। इसी बीच मौके पर मौजूद एक युवक अचानक गाड़ी में सवार हुआ और स्टेयरिंग संभालकर तेजी से मिनीबस लेकर रफूचक्कर हो गया।



रास्ते में ऑटो और बाइक को मारी टक्कर, खंभे से टकराकर रुकी बस: बस चुराकर भाग रहे आरोपी ने एमआर-10 रोड पर लापरवाही और तेज

रफ्तार से गाड़ी दौड़ाई। इस दौरान रास्ते में आ रहे एक ऑटो-रिक्शा और एक मोटरसाइकिल को उसने जोरदार टक्कर मार दी। अंधाधुंध दौड़ रही

बस अंततः एक चौराहे पर लगे बिजली के खंभे से टकराकर बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त होकर रुक गई। इसके बाद मौके पर भारी हुजूम भी जमा हो गया।

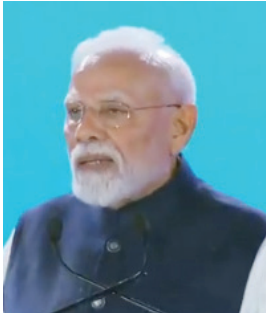
आरोपी बेहोश, अस्पताल में मर्ती

हादसे में एक ऑटो-रिक्शा चालक और मिनीबस चुराने वाला आरोपी खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों और पुलिस की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं प्रतीत हो रही है। टक्कर के बाद से वह अस्पताल में बेहोश है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के होश में आते ही उससे कड़ाई से पूछताछ की जाएगी और मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मोदी ने न्यू इकोनॉमी फोरम में कहा

'भारत ने दुनिया को शून्य दिया, कभी रायल्टी नहीं मांगी'

मृदुभाषी। नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित 'ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम' को संबोधित करते हुए वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख और आत्मनिर्भरता को मजबूती से रेखांकित किया। अपने 25 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर अत्याधुनिक तकनीक और प्रतिभा तक, आज पूरी दुनिया भारत पर भरोसा कर रही है। भारत ने इतिहास में दुनिया का शून्य का उपहार दिया, लेकिन कभी इसके बदले में श्रेय या रायल्टी की मांग नहीं की।

दिल्ली में पहली बार आयोजित हो रहे इस प्रतिष्ठित फोरम में प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत की असली ताकत दूसरों को सक्षम बनाने है। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान डिजिटल तकनीक (डिजिटल पब्लिक

इंफ्रास्ट्रक्चर), वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की आपूर्ति, देश में हुए बड़े आर्थिक सुधारों और विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की अग्रणी और निर्णायक भूमिका का विशेष रूप से जिक्र किया। तीन दिनों तक चलने वाला यह महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम 15 अक्टूबर को संपन्न होगा। इस वर्ष ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम की थीम 'बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना' रखी गई है, जिसमें दुनिया भर के डिगज अर्थशास्त्री, नीति निर्माता और उद्योग जगत के नेता हिस्सा ले रहे हैं।

IIIT बॉम्बे छात्र मौत मामला

परीक्षा में नकल करने पर छात्र ने दी थी लिखित माफी

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे के 22 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि मौत से कुछ घंटे पहले साहिल ने मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन से नकल करते पकड़े जाने पर संस्थान को लिखित माफीनामा दिया था। मुंबई पुलिस के मुताबिक, साहिल ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माना

था कि उसने परीक्षा की अच्छी तैयारी नहीं की थी और संस्थान से दूसरा मौका दिए जाने की मांग की थी। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच वर्तमान में मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही है। पुलिस ने मामले की तह तक जाने के लिए आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर शिरीष केदार और प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला समेत 40 से अधिक लोगों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए लिया फैसला

यूपीआई भुगतानों पर MDR चार्ज दिवाली तक टाला गया

मृदुभाषी। नई दिल्ली

डिजिटल भुगतान का उपयोग करने वाले दुकानदारों और आम उपभोक्ताओं के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने 15 अक्टूबर से यूपीआई पेमेंट पर लागू होने वाले मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) चार्ज को फिलहाल दिवाली तक के लिए टाल दिया है।

एनपीसीआई के अनुसार, त्योहारी सीजन के दौरान बाजारों में होने वाली भारी खरीदारी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अब इस चार्ज को दिवाली के तुरंत बाद लागू किया जाएगा, हालांकि इसकी सटीक तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। नई व्यवस्था के तहत, जब कोई ग्राहक किसी



दुकानदार को 2,000 से अधिक का यूपीआई भुगतान करेगा, तो दुकानदार को कुल राशि पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर शुल्क देना होगा। बड़े लेन-देन के मामलों में, जैसे कि 75,000 या उससे अधिक के भुगतान पर, प्रतिशत के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज निर्धारित किया गया है। उदाहरण के लिए, 2,500 के भुगतान पर दुकानदार का 10, 5,000 पर 20 और 10,000 पर 40 शुल्क कटेगा।

अमित शाह का राहुल गांधी पर तीखा हमला: 'घुसपैटियों को बचाने की कोशिश कर रहे

राहुल बोले: 'मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा हमारा मिशन' तब तक नहीं चुप नहीं बैठेंगे

एसआईआर पर आर-पार

मृदुभाषी। भोपाल

देश भर में विशेष पहचान पुनरीक्षण/पंजीकरण (SIR) और भारतीय चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष के बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच सियासी घमासान चरम पर पहुंच गया है।

मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर पहली बार खुलकर बयान देते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला। वहीं दूसरी ओर, विपक्षी 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन के नेताओं ने राहुल गांधी के आवास पर उच्चस्तरीय बैठक कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर अपने आंदोलन को तेज करने का ऐलान किया है।



राहुल गांधी के आवास पर चाय के साथ बातचीत के लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा, तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर समेत INDIA ब्लॉक के अन्य नेता पहुंचे।

राहुल गांधी एसआईआर की आड़ में घुसपैटियों को बचा रहे हैं: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दावों को सिर से खारिज करते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी एसआईआर प्रक्रिया की आड़ में अवैध घुसपैटियों को संरक्षण देने का प्रयास कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस के इस एजेंडे को भली-भांति समझती है। एसआईआर प्रक्रिया 2024 के बाद शुरू हुई है, जबकि राहुल गांधी के राजनीति में आने के बाद



से ही कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। उन्होंने कहा कि 2029 के लोकसभा चुनाव में एनडीए (NDA) भारी बहुमत से फिर सरकार बनाएगा।

कांग्रेस चुनाव आयुक्तों को राज्यपाल और मंत्री बनाती थी: पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उसके दोहरे मापदंडों को उजागर

किया। गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस जब चुनाव जीतती है तो चुनाव आयोग निष्पक्ष होता है, लेकिन हारने पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़ा करने लगती है। गोयल ने कहा कि कांग्रेस अपने शासनकाल में मुख्य

चुनाव आयुक्तों को सेवानिवृत्ति के बाद राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री तक बनाती रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि पूर्व सीईसी एम.एस. गिल को पद्म विभूषण देना क्या एक तरह की रिश्तदारी नहीं थी? पीयूष गोयल ने राहुल

गांधी को चुनौती दी कि वे वोट चोरी और गड़बड़ के आरोपों पर चुनाव आयोग के समक्ष हलफनामा दाखिल करें और अपने दावों के ठोस सबूत पेश करें, न कि बचकानी बयानबाजी से देश को भ्रमित करें।



ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा हमारा मिशन: राहुल गांधी

स्थानीय निकायों के नतीजों का जिक्र: गुजरात निकाय चुनावों में भाजपा द्वारा 104 में से 90 सीटें जीतने का जिक्र करते हुए शाह ने पूछा कि क्या वहां भी कांग्रेस की हार की वजह एसआईआर थी? उन्होंने यह भी जोड़ा कि आम आदमी पार्टी की सभी 32 सीटों पर जमानत जन्त हो गई। इसके अलावा राजस्थान निकाय चुनावों और पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु के उपचुनावों में कांग्रेस के सूपड़ा साफ होने का भी उन्होंने उल्लेख किया। गृह मंत्री के बयान के बीच, एसआईआर के खिलाफ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 'इंडिया' ब्लॉक के शीर्ष नेताओं ने राहुल गांधी के निवास पर चाय पर एक अहम बैठक की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद नेताओं ने



संव्यक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि विपक्ष लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था की बहाली के लिए अंतिम सांस तक लड़ेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना हमारा मुख्य लक्ष्य है। इसमें चाहे एक दिन लगे, एक साल लगे या दो साल यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। संविधान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार को समझना होगा कि देश के संविधान को नुकसान पहुंचाकर आसानी से नहीं बचा जा सकता।



ममता बनर्जी पर हमले की कोशिश

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनके घर के पास एक महिला द्वारा चाकू से हमला करने की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना मंगलवार शाम करीब 6 बजे की है, जब ममता बनर्जी अपने कालीघाट स्थित आवास के पास एक दुर्गा पंडाल का उद्घाटन करने जा रही थीं। इस अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई, हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाल लिया।

दिव्यांगजनों के लिए बड़ी राहत

भोपाल। मध्य प्रदेश के दिव्यांग युवाओं के लिए एक बेहद राहतभरी और बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित करीब 20 हजार रिक्त पदों को भरने के लिए राज्य सरकार ने विशेष भर्ती अभियान की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। इस कदम से लंबे समय से सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे दिव्यांग अभ्यर्थियों का अपना भविष्य संवारने का सुनहरा अवसर मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 9 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह विशेष भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर 2026 तक संचालित की जाएगी।

नाम तय करने पर जताई आपत्ति; भारत का करारा जवाब- 'लद्दाख हमारा अभिन्न हिस्सा'

लद्दाख पर भारत के रुख से बौखलाया चीन

मृदुभाषी। नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच लद्दाख सीमा को लेकर एक बार फिर जुबानी जंग तेज हो गई है। लद्दाख की 28 महत्वपूर्ण जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय करने के भारत सरकार के कदम पर चीन ने अपनी बौखलाहट जाहिर करते हुए आपत्ति जताई है। हालांकि, भारत ने भी बीजिंग के इस ऐतराज को सिर से खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि चीन के इनकार करने से यह भौगोलिक और ऐतिहासिक सच्चाई बदलने वाली नहीं है।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में बयान जारी करते हुए कहा कि चीन लद्दाख को भारत द्वारा गठित केंद्र शासित प्रदेश के रूप में मान्यता नहीं देता है। चीन का दावा है कि



सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये 28 इलाके उसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं। माओ निंग ने कहा कि भारत द्वारा इन स्थानों के नाम बदलने या नए नाम तय करने से जमीनी स्तर पर मालिकाना हक का दावा नहीं बदलेगा। चीन की इस आपत्ति का भारतीय विदेश मंत्रालय ने मुंहतोड़

अरुणाचल में चीन की गुंस्ताखी का भारत ने दिया कड़ा जवाब

भारत सरकार ने 2 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर लद्दाख की इन 28 जगहों के नाम तय किए थे। भारत का यह कदम वर्ष 2023 में चीन द्वारा

अरुणाचल प्रदेश (जिसे चीन 'जांगनाग' या दक्षिणी तिब्बत कहता है) के विभिन्न स्थानों के मनगढ़ंत नाम बदलने की हिमाकत का जवाब माना जा रहा है।

जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि लद्दाख भारत का अखंड और अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गृह मंत्रालय के निर्देश पर लद्दाख प्रशासन और स्थानीय लोगों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शे में इन 28 जगहों के नाम दर्ज किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की सही पहचान सुनिश्चित करना और जनसामान्य को सटीक जानकारी देना

है। भारत द्वारा आधिकारिक नाम दिए गए क्षेत्रों में गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे पूर्वी लद्दाख के बेहद संवेदनशील इलाके भी शामिल हैं। ये वही क्षेत्र हैं जहां मई 2020 में पैंगोंग झील और जून 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़पों के बाद भारत और चीन के सैनिकों के बीच भारी तनाव की स्थिति बनी थी। इन इलाकों में भारतीय सेना के जवान लगातार गश्त करते आ रहे हैं और भारत अपनी सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार क
रम्पार इतनी तेज थी कि टक्कर के
बाद वह सड़क किनारे लगी लोहो
की रेलिंग में जा घुसी।
हादसे में आदिल की मौके पर ह
ससों थम गईं, जबकि दोनों दोस्
दूर जा गिरे। आदिल परिवार मे
इकलौता सहारा था और अंटी
मैकेनिक का काम करता था।
पुलिस ने मामला दर्ज कर फरा
चालक की सुरागकशी शुरू
दी है।

आंकड़ों के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में तो स्थिति ठीक रही और सामान्य-से 4% अधिक पानी मिले। लेकिन पश्चिमी हिस्से के कई जिलों—जैसे इंदौर, धार, झाबुआ, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर और नीमच—आदि में औसत से 9% से लेकर 51% तक कम पानी बांश दर्ज की गई है। बहरहाल, आगामी दो दिनों में आने वाले नए मौसमी सिस्टम से तपामान में उतार-चढ़ाव और बांशिका का वह दौर एक बार फिर किसानों और आम जनजीवन को प्रभावित कर सकता है।

मंडी में एक महीने में चार लाख विंटल की आवक, बेस्ट क्वालिटी में 7800 रुपए तक मिल रहे दाम

अंतर्राष्ट्रीय डिमांड बढ़ने से सोयाबीन और कपास के भावों में आया उछाल

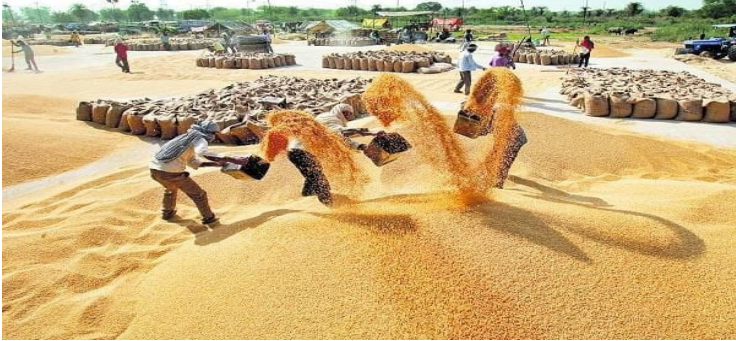
मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। मानसून की बेरुखी के बावजूद इस बार किसानों को अपनी मेहनत का सही दाम मिल रहा है। पिछले चार-पांच सालों के इंतजार के बाद सोयाबीन और कपास के भावों में जबर्दस्त उछाल आया है। इसके पीछे कपास लगाए जा रहे है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोयाबीन और कॉटन की अधिक डिमांड है। इसी के चलते मंडियों में व्यापारियों द्वारा ऊंचे दामों पर खरीदी की जा रही है।

वर्तमान में सोयाबीन का न्यूनतम भाव ढाई से तीन हजार के बीच चल रहा है, तो वहीं अधिक रेट 6500 से 7800 रुपए हैं। बेस्ट क्वालिटी पर अच्छे भाव मिल रहे हैं। अकेले धार अनाज मंडी में बीते एक महीने में 4.50 लाख विंटल से अधिक की आवक हुई है। सोयाबीन के साथ ही मक्का व कपास के भाव बढ़कर मिल रहे हैं। इसके किसानों के चेहरों पर खुशी की चमक भी देखी जा रही है। बाजार की रफ्तार ऐसी ही रहती है, तो आगे और तेजी आने की उम्मीद है। नगरात्र से लेकर दीपावली के बीच मंडी से लेकर बाजार में जमकर धन बरसेगा।

प्रति बीघा 5 विंटल के लगभग उत्पादन

हर साल की तुलना में मंडी में जो उपज आ रही है, उसकी क्वालिटी बेहतर है। इस बार सितंबर में बारिश कम और अधिक समय धूप रही। फसल कटाई के दौरान उपज सूखी



निकलने से दाना खराब नहीं हुआ है। टोस दाने के साथ चमक भी हैं। किसानों मुताबिक कमजोर बारिश के बावजूद उत्पादन 5 विंटल प्रति बीघा या उससे अधिक निकला है। बता दें कि 2023, 2024 और 2025 सितंबर में अधिक दिनों तक पानी गिरने से फसल कटाई का मौका ही नहीं मिल पाया और कई किसानों की फसल खेतों में ही फसलें सड़ कर नष्ट हो गईं।

भावांतर में नानमात्र पंजीयन, मंडी का रफ्तार कर रहे किसान

पिछले साल तक सोयाबीन के भाव बाजार में कम थे। जिसके कारण किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग की गई थी। एमएसपी 5300 रुपए कीमत इका-दुक्का किसानों को ही मिली। सरकार द्वारा भावांतर में खरीदी से किसानों को लाभ हुआ। धार जिले में 34 हजार से अधिक किसानों पंजीयन कराने के साथ उपज बेची थी। वहीं इस बार मंडियों में अच्छे भाव मिलने से

किसान सरकारी खरीदी पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। भावांतर में भी नाम मात्र के पंजीयन नहीं हुए। 3 अक्टूबर से शुरू हुई प्रक्रिया में पंजीयन का आंकड़ा 50 तक भी नहीं पहुंच पाया है। इसके स्थान पर किसान मंडी का रुख कर रहे हैं। धार के अलावा, बदनावर, राजगढ़, धामनोद मंडी में सोयाबीन की बंपर आवक हो रही है।

2022 के बाद कपास के भाव 9 हजार तक पहुंचे

जिले की दूसरी प्रमुख फसल कपास है और निमाड़ अंचल कॉटन खूब होता है। इस बार कपास की डिमांड भी अच्छी है और उसी फायदा सीजन के शुरूआती दिनों के रझान के हिसाब से किसानों को मिल रहा है। धामनोद, कुक्षी, गंधवानी और मनावर मंडियों में कपास की आवक जबर्दस्त हो रही है। न्यूनतम भाव 6500 से शुरू होकर अधिकतम 8800 तक मिल रहे हैं। बीते दिनों धामनोद मंडी में कपास नीलामी की

सर्वोच्च बोली 9000 लगी थी। कपास के संबंध में पिछले कुछ सालों से किसान सीसीआई (भारतीय कपास निगम) उपज बेचते थे, किंतु इस बार बाजार में ही पर्याप्त भाव मिलने से निर्भरता कम हुई है।

चार सालों में सोयाबीन की आवक और भाव की स्थिति

वर्ष	कुल आवक	न्यूनतम	अधिकतम
2022-23	10,85,521	2100	5400
2023-24	12,46,486	1000	4800
2024-25	11,78,352	1300	4000
2025-26	12,77,204	1500	4200
2025-26	4,17,018	2450	6800

धामनोद में कपास की आवक और भाव

दिनांक	आवक	न्यूनतम	अधिकतम
05 अक्टूबर	4117	6900।	8500
06 अक्टूबर	3270	6900	8500
07 अक्टूबर	4699	6505	9000
8 अक्टूबर	5128	6505	8830
09 अक्टूबर	6062	5000	8800

(नोट-आवक विंटल में, भाव रुपए में)

इनका कहना है...

मंडी में सोयाबीन की क्वालिटी अच्छी होने से इस बार ऊंचे भावों पर खरीदी हो रही है। उम्मीद है यह तेजी आगे भी रहेगी। इसलिए भावांतर में नाम मात्र के पंजीयन नहीं हुए हैं। दीपावली बंपर आवक की संभावना है।

एमएस जमरा

सचिव कृषि उपज मंडी धार

बेरछा रेलवे ट्रैक के पास 4 दिन में 253 हिरणों को भेजा कूनो अभ्यारण मिला युवक का शव

पुलिस कर रही शिनाख्ती का प्रयास

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के बेरछा थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास 35 से 40 साल के अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। ट्रैन की चपेट में आने से युवक की मौत की आशंका जताई जा रही है। वहीं युवक कौन है इस बारे में भी अभी किसी के पास कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल शव को जिला अस्पताल के मचुरी रूम में रखा गया है।

पुलिस के अनुसार शव रेलवे ट्रैक के पोल नंबर 112/13 से 112/11 के बीच मिला। बेरछा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

मर्ग दर्ज किया और शाजापुर जिला अस्पताल की मचुरी में रखवाया है। बताया जाता है कि मृतक की उम्र करीब 35 से 40 साल है। उसका रंग गेहुआ और शरीर दुबला-पतला है। जिसने क्रॉम कलर की शर्ट, स्लेटी लोअर और सफेद जूते पहने थे। उसके बाएं हाथ में काले रंग की घड़ी और दाहिनी कलाई में सतरंगी धागा बंधा हुआ है। थाना प्रभारी अरविंद तोमर ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के बारे में जानकारी हो या इस हুলिए के किसी व्यक्ति की गुमशुदगी दर्ज हो, तो बेरछा थाना पुलिस को सूचना दें।

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। दक्षिण अफ्रीका और वन विभाग की टीम द्वारा बोमा तकनीक से कृष्णमृगों को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक 253 हिरणों को पकड़कर कूनो अभ्यारण भेजा जा चुका है। अब अभियान यहां से मंसाया पहुंचेगा। इसके बाद कालापीपल विधानसभा के अन्य क्षेत्रों में यह टीम पहुंचेगी।

मंगलवार को भी टीम ने करीब 77 कृष्णमृगों का रेस्क्यू किया। इन्हें सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए तैयार किए गए बोमा में लाया गया। अभियान की शुरुआत 9 अक्टूबर को बोमा लगाने के साथ हुई थी।



पहले दिन 97 कृष्णमृगों का रेस्क्यू किया गया। इसके बाद 11 अक्टूबर को 79 कृष्णमृगों और 13 अक्टूबर को 77 कृष्णमृगों का रेस्क्यू किया गया। तीन दिनों में कुल 253 कृष्णमृगों का रेस्क्यू किया गया। अब कालापीपल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मंसाया में अगला बोमा तैयार किया जाएगा। इसके बाद

अभियान आगे बढ़ाया जाएगा। फिलहाल अगले एक सप्ताह तक कालापीपल और आसपास के शाजापुर जिले के क्षेत्रों में रेस्क्यू अभियान चलाने की योजना है।

ये है बोमा तकनीक

बोमा वन्यजीवों को नियंत्रित तरीके से पकड़ने के लिए बनाई

जाने वाली विशेष व्यवस्था है। इसमें एक निर्धारित स्थान पर अस्थायी गलियारे और बाड़े तैयार किए जाते हैं। इसके बाद हांका देकर वन्यजीवों को धीरे-धीरे इस घेरे की ओर ले जाया जाता है। इस अभियान में हेलीकाप्टर की मदद से कृष्णमृगों को बोमा की दिशा में पहुंचाया जाकर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाता है। इस साल चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 2 हजार वन्यजीवों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वासित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें शाजापुर के साथ उज्जैन जिले को भी शामिल किया गया है। फिलहाल कालापीपल विधानसभा क्षेत्र और आसपास के इलाकों में अभियान चलाने की योजना है।

विधायक सिंह के नेतृत्व में मंत्री शिवाजी पटेल का आत्मीय स्वागत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आष्टा । नवरात्रि पर्व के अंतर्गत स्थानीय श्री मानस भवन में आयोजित जयश्री भजन संध्या कार्यक्रम में भाग लेने आए मध्य प्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा विभाग मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का आष्टा पहुंचने पर विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर के नेतृत्व में विधायक कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्षों एवं सभी कार्यकर्ताओं,जनप्रतिनिधियों ने विधायक



कार्यालय पहुंचने पर मंत्री श्री पटेल की भव्य अगवानी कर आतिशबाजी चला के एवं पुष्पगर्वा कर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। आष्टा पहुंचने पर सभी कार्यकर्ताओं ने विधायक इंजीनियर के नेतृत्व में भोपाल नाके पर अगवानी की। भोपाल नाके से विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी,युवा मोर्चा,सभी मंडलो के अध्यक्षों ने अगवानी कर मंत्री श्री पटेल को कन्नौद रोड से होते हुए विधायक कार्यालय तक रेली के रूप में

लाया गया तथा यहां पर भव्य स्वागत किया गया । विधायक कार्यालय पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर द्वारा विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से पटेल का साफा पहनाकर शॉल उड़ाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी आष्टा नगर मंडल अध्यक्ष अंजली विशाल चौरसिया के नेतृत्व में अभिनन्दन में भारतीय जनता पार्टी,युवा मोर्चा,सभी मंडलो के अध्यक्षों ने अगवानी कर मंत्री श्री पटेल को कन्नौद रोड से होते हुए विधायक कार्यालय तक रेली के रूप में लाया गया तथा यहां पर भव्य स्वागत किया गया । विधायक कार्यालय पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर द्वारा विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से पटेल का साफा पहनाकर शॉल उड़ाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी आष्टा नगर मंडल अध्यक्ष अंजली विशाल चौरसिया के नेतृत्व में अभिनन्दन में भारतीय जनता पार्टी,युवा मोर्चा,सभी मंडलो के अध्यक्षों ने अगवानी कर मंत्री श्री पटेल को कन्नौद रोड से होते हुए विधायक कार्यालय तक रेली के रूप में

जनसुनवाई

जनसुनवाई में पहुंचे 91 आवेदन, फर्जी नियुक्ति और अवैध कब्जे की शिकायतें भी

आवास से लेकर जमीन विवाद की समस्याएं

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से पहुंचे लोगों ने अपनी परेशानियां और मांगें अधिकारियों के सामने रखीं। इस दौरान कुल 91 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पट्टा वितरण, शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे, जमीन के सीमांकन, भू-अर्जन का मुआवजा और आर्थिक सहायता जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। इसके अलावा आंगनवाड़ी में फर्जी नियुक्ति, निजी स्कूल की मनमानी फीस वसूली, सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान नहीं होने और मजदूरी की राशि अटकने से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं।

सीईओ जिपं अखिलेश कुमार जैन ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सोमा में निराकरण करने के निर्देश



दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इसलिए प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए और जिन मामलों में तत्काल राहत दी जा सकती है, उनमें देरी नहीं होनी चाहिए।

जमीन विवाद, मुआवजा और आवास के लिए लगाई गुहार

जनसुनवाई में भूमि संबंधी शिकायतों की संख्या भी उल्लेखनीय रही। लोगों ने निजी भूमि पर अतिक्रमण, शासकीय जमीन पर

अवैध कब्जा, भूमि का सीमांकन, कृषि भूमि का आपसी बंटवारा, फर्जी फौती नामांतरण और खेतों तक आने-जाने का रास्ता खुलवाने जैसी समस्याएं रखीं। भू-अर्जन के तहत अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाने और पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए भी आवेदन दिए गए। जरूरतमंद लोगों ने बीमारी के उपचार के लिए आर्थिक सहायता, दिव्यांग व्यक्ति को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने और राहगीर योजना का लाभ दिलाने की मांग की। मजदूरी का भुगतान नहीं होने, ऋण माफी

और सेवानिवृत्ति के बाद क्लेम की राशि नहीं मिलने से जुड़े मामले भी अधिकारियों के सामने आए।

पूरे साल फीस जमा करने के बाद भी नहीं दी गई टीसी

जनसुनवाई में आंगनवाड़ी में कथित फर्जी नियुक्ति और अतिथि शिक्षक की नियुक्ति से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। एक निजी स्कूल द्वारा पूरे साल की फीस जमा कराने और टीसी नहीं देने की शिकायत के माध्यम से भी समस्या रखी गई। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति दिलाने सहित अन्य मांगों को लेकर आवेदकों ने संबंधित विभागों से राहत दिलाने की गुहार लगाई। अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित मैदानी अधिकारियों को शिकायतों के न्यायोचित एवं वैधानिक समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने की बात कही गई।

दिल्ली प्रदर्शन में विधायक ने लिया भाग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

जोबट। देश में वोट चोरी के मुद्दे और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन में जोबट विधायक सेना महेश पटेल शामिल हुईं। प्रदर्शन के दौरान जोबट विधायक सेना महेश पटेल ने अपने संबोधन में राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही लोकतंत्र की लड़ाई का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए जनता के वोट की रक्षा करना बेहद जरूरी है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए और निर्वाचन व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सेना महेश पटेल ने कहा कि राहुल गांधी जनता, युवाओं और देश के अधिकारों की आवाज बनकर लड़ रहे हैं। लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाया नहीं



कि जिले की प्रभारी मंत्री और कैबिनेट मंत्री के बीच आपसी गुटबाजी के चलते विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। टेल ने सेवा संकल्प अभियान के तहत स्कूली बच्चों को तेज धूप में कार्यक्रमों में बुलाए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने इसे निंदनीय बताते हुए कहा कि बच्चों की सुविधा और स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाना चाहिए। पटेल ने चेतावनी देते हुवे कहा की आगामी दिनों में जिले को सूखाग्रस्त घोषित नहीं किया गया और बिजली कटौती की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस आंदोलन तेज करेगी।

किसानों की समस्याओं पर सरकार को घेरा

कांग्रेसी नेता ओमप्रकाश राठौर ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर आदिवासी किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अल्पवर्षा से प्रभावित किसानों को राहत

दिलाने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। किसानों की परेशानी को देखते हुए जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की कार्रवाई जरूरी है।

बिजली गुल रहने से आमजन परेशान : मंडलोई

युवा नेता तरुण मंडलोई ने जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही बिजली कटौती का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिजली गुल रहने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान पुष्पराज पटेल, कैलाश चौहान, राजेंद्र टवली, सुरेश सारडा, खुशींद अली दिवान, शशी भाभर, लईक भाई, गोहायडा भाई, पारसिंह बारिया, भरत राज जाधव, समरथमल राठौड़, राजी मकरानी, साबिर बाबा, अंगरसिंह चौहान, कुंवरसिंह भाई, बाथू भाई, इफान मंसूरी, मनीष चौहान उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 79 आवेदनों पर की सुनवाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर रत्नाकर झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्राप्त 79 आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण किया जाए तथा पात्रानुसार निराकरण कर

आवेदकों को राहत प्रदान की जाए। जनसुनवाई में नगर परिषद अमलाई निवासी नर्मदा प्रसाद त्रिपाठी ने अतिथि शिक्षक वर्ग-2, गणित विषय के पद पर सेवाएं निरंतर रखे जाने संबंधी आवेदन दिया। ग्राम दुलहरा निवासी कैलाश कोरी ने विद्युत बिल की राशि माफ करने की मांग की। कोतमा के वार्ड क्रमांक-11 निवासी अमृत लाल पटेल ने वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत कराने एवं राशन कार्ड में नाम दर्ज कराने तथा ग्राम परसवारा के कोयलारी टोला निवासी जगदीश चंद्र पटेल ने फसल क्षति के एवज में नियमानुसार मुआवजा राशि दिलाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया।

शिवियों का आयोजन 21 अक्टूबर से

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना । जिला रोजगार कार्यालय एवं मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से जीडीएक्स ग्रुप, ग्रेटर नोएडा द्वारा भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के तहत सुरक्षा जवानों के 250 एवं सुपरवाइजर के 30 पदों पर भर्ती के लिए जनपद पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 अक्टूबर 2026 को जनपद पंचायत आजीविका भवन आगरा, 22 अक्टूबर को जनपद पंचायत आजीविका भवन राधोगढ़, 23 अक्टूबर को जनपद पंचायत आजीविका भवन चांचौड़ा, 27 अक्टूबर को जनपद पंचायत आजीविका भवन गुना तथा 28 अक्टूबर 2026 को सांदीपनी विद्यालय फतेहगढ़ (बमोरी) में भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। सभी शिविरों का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है। सुरक्षा जवान के पद के लिए अभ्यर्थी की शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास, आयु 18 से 45 वर्ष, ऊंचाई 168 सेंटीमीटर तथा वजन 52 से 96 किलोग्राम होना चाहिए।

दिल्ली प्रदर्शन में विधायक ने लिया भाग



जा सकता। विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों के सवालों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

महिला प्रदर्शनकारियों के साथ व्यवहार पर सवाल

विधायक सेना महेश पटेल ने प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों के साथ किए गए व्यवहार और उन्हें घसीटे जाने की घटनाओं को लेकर भी

नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और कार्यकर्ताओं के अधिकारों का सम्मान किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। सरकार और संबंधित संस्थाओं को जनता की आवाज सुननी चाहिए तथा लोकतांत्रिक तरीके से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

